

**स्तनी** वि. (तत्.) स्तनों वाला, स्तन युक्त।

**स्तनी विज्ञान** पुं. (तत्.) प्राणि. प्राणिविज्ञान की एक शाखा जिसमें स्तनी प्राणियों का अध्ययन किया जाता है।

**स्तनोत्तरीय** पुं. (तत्.) प्राचीन काल की कपड़े की वह पट्टी जो स्त्रियाँ स्तनों पर बाँधती थी, स्तनांशुक।

**स्तन्य** वि. (तत्.) 1. स्तन संबंधी, स्तन का 2. जो स्तन में हो पुं. माता का दूध, दूध।

**स्तन्य त्याग** पुं. (तत्.) माता का दूध पीना छोड़ना।

**स्तन्यदा** वि. (तत्.) जिसके स्तनों से दूध निकलता हो, दूध देने वाली।

**स्तन्यदान** पुं. (तत्.) स्तन का दूध पिलाना।

**स्तन्यप, स्तन्यपा** वि. (तत्.) 1. स्तन से दूध पीने वाला 2. स्तन का दूध पीता बच्चा, दुधमुँहा।

**स्तन्य पान** पुं. (तत्.) स्तन-पान।

**स्तन्य पायी** पुं. (तत्.) स्तनपायी।

**स्तन्य-रोग** पुं. (तत्.) माता के दूध के कारण होने वाला रोग, स्तनपान करने से होने वाला रोग।

**स्तन्य-स्राव** पुं. (तत्.) 1. वात्सल्य भाव से विह्वल होने पर आप से आप स्तनों से दूध बहने लगना 2. इस प्रकार बहने वाला दूध।

**स्तब्ध** वि. (तत्.) 1. जो जड़ या अचल हो गया हो, जड़ीभूत, निश्चेष्ट, सुन्न 2. अच्छी तरह जकड़ा या बाँधा हुआ 3. दृढ़, पक्का, मजबूत 4. धीमा, मंद, सुस्त 5. दुराग्रही, हठी 6. अक्खड़, अभिमानी पुं. वंशी के छह दोषों में से एक जिसमें उसका स्वर कुछ धीमा होता है।

**स्तब्धता** स्त्री. (तत्.) 1. स्तब्ध होने की अवस्था या भाव, जड़ता 2. दृढ़ता 3. बहरापन।

**स्तब्ध दृष्टि** वि. (तत्.) जिसके पलक न गिर रहे हों, निर्निमेष देखने वाला जो टकटकी लगाकर देख रहा हो।

**स्तब्ध नयन** वि. (तत्.) स्तब्ध दृष्टि, स्तब्ध लोचन।

**स्तब्ध पाद** वि. (तत्.) 1. जिसके पैर जकड़ गए हों 2. लँगड़ा 3. पंगु।

**स्तब्ध मति** वि. (तत्.) मंद बुद्धि, कुंद-जहन।

**स्तब्धि** स्त्री. (तत्.) स्तब्धता।

**स्तर** पुं. (तत्.) 1. एक दूसरे के ऊपर लगा हुआ/जमा हुआ तल, परत, तह 2. ऊँचाई (तल की) जैसे- बाढ़ में नदी का जल-स्तर अधिक होना 3. कोटि या दर्जा 4. आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक आदि दृष्टि से कोटि/दर्जा/ जैसे- भारत का आर्थिक स्तर ऊँचा हो गया है।

**स्तर क्रम विज्ञान** पुं. (तत्.) भूविज्ञान की एक शाखा, शैल-स्तरों की निक्षेपण-स्थिति, आयु, स्वरूप, स्तरण आदि का अध्ययन।

**स्तरण** पुं. (तत्.) 1. फैलाना, बिखेरना 2. बिछौना 3. बिछौना, बिस्तर, शैय्या 3. स्तरों/परतों के रूप में होने की स्थिति 4. दीवारों आदि पर पलस्तर करने की क्रिया 5. प्राकृतिक कारणों से पृथ्वी के धरातल, पर्वतों, खनिजों आदि की रचना स्तरों/परतों में होना।

**स्तरणीय** वि. (तत्.) 1. फैलाए या बिखरे जाने के योग्य 2. बिछाए जाने योग्य।

**स्तरापनयन** पुं. (तत्.) 1. छिलका उतारना, छीलना 2. पेड़ की छाल उतारना या उतारना 3. पपड़ी उतारना 4. उत्खनन में भूमि के स्तरों को क्रमशः काटना peeling

**स्तरिका** स्त्री. (तत्.) 1. पत्थर की पतली परत, सिल्ली 2. धातु की पतली चद्दर, पत्तर, वर्क 3. नगण्य मोटाई की समतल पट्टिका या परत।

**स्तरिकी** स्त्री. (तत्.) भूविज्ञान की एक शाखा, स्तर क्रम विज्ञान।

**स्तरित** वि. (तत्.) 1. जो अनेक स्तरों में हो, स्तरमय 2. जिसे फैलाया, बिखेरा या बिछाया गया हो।